


עין משפט
נר מצוה

בז ב מיי פ"ו מהל'
נזירות הלי"ט:
בח ג מיי שס הלי"ח:
כט ד מיי פ"ד מהל'
אבות הטומאה
הל"ג:

(א) דאמר ר"א דכל לאחר
מלאת: (ב) דקוטר את טולן
דבמר כו': (ג) ו': (ד) היכא



השחא מפרשה ביצא
 יצוי בן חמא ומכא
 ורמי: למכשש: הדינא
 למכשש: אליבא דרבנן יא
 וכן טומאה אלא וסתר
 מן התורה ומכא קרבן
 וטואה כדן וכן טמא ויא
 וכן דריתא וכן אלא וסתר
 אלא מרבנן, אלא משום
 "אוקימנא דאם עיל משום
 וכן נכעא" וכן ורמי
 ורמי: ורמי: ורמי: ורמי:
 וכן אליבא דרבנן ורמי:
 רבנן: ומיהו מרבנן וכן
 רבין קן סותר וכן
 וכן רבין טומאה שבתון
 אלא: טומאה שבתון
 אלא אלא קמי: וכן
 שבת: אלא דין אלא
 וכן שבת וכן אלא
 אלא על טומא: שבת

נראה דנ"ל ועל הא דמתן במת

מסורת הש"ס

הגהות הב"ח

הגהות התוספות

מוסף רש"י

ודאי היא, כיון דההיא
שעתא דעבר עליה טומאת
התהום הואי, שלא היה שום
אדם יודעין שם, ואם לזה לא

שם. בד"א. למזל ועושה
פסח טיבור (שם). אבל
טומאה ידועה. שידעו

פ'י הרב"י (דמייד)

1. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

— שלא גילה בין כך

רמי צדק חמא לעולם אליבא ד"ר
קמיעיאל וי הכי קמיעיבא וי הני
מילי ⁽⁶⁾ דלאחר מלאת שבעה סוחר
ומו לא כי ניטמא לאחר מלאת והאי
כיון דניטמא לפני מלאת מודי דהו
ד"ר צדק חמא לעולם אליבא ד"ר

אבל שומאת ידועה
היא שומאת התהום
היום הנוולת מבורך

טומאת התהום דאע"ג דבעלמא תגלחת לא מעכבא לגבי טומאת התהום חשיבא שאם נודע לו עד שלא גילת ה' קפסיק וימי בין

וְעוֹשֶׂה פֶּסַח מִיּוֹר כַּשְּׂנֹדֶע לֹא לְאַחֵר שְׁעֵשֶׂה פֶּסַח אֲבָל נֹדֶע לֹא
 אֲמָא צִבְרִייתָא דְּמַסְכַּת נִזִּיר (פ"ו ה"ג) וְשֵׁל פֶּסַחִים (פ"ו ה"ה): אֲבָל יֵשׁ לֹא
 הָיָה דְּמַהֲלָר בְּיוֹן פֶּרְשֵׁיו מִיּוֹר צִמְהֵלָר צִבְלִיִּין שִׁיבֹל

כתיב
חצי הדרך או רובו וחצי האחר מופלג הימנו מצד שמאלו עד חצי הדרך או רובו
א"א שלא יאהיל על חצי האחר אפ"ה טהור שאנו תוליי' שעיכם דרכו: בד"א תחליטן

ועדיין תיכני ע"ד. הש"ס הו"ק
ומפרש ה"ק פשיטותא דרנא
דבר השא יחזיק ואלא חזקא דרנא

לעיל בפרק ג' (דף ע"ז.) דאף נטמא

ליתרומה ממא. כיון שהיה
מוטל לרחצה של דרך
א"י אפשר לו לנצור כי אם דבר וילוי

שלשתן ממאים ואין
כל שאין מכירה אחד

טוהר אצל אס נמא בקבר ועבר דרך עליו אפי' משובר ומפורק
טמא שהקבר מרפו ליטמא באהל כדדרישין או בקבר לרבות קבר

קודם שעה פסחו ה"ז עמא ונדחה לפסח שני והכי מפורש עלה במוסר
מקום. רחב לעצור שלא על המס אף לענין אכילת סרומה טהור

אבל אם נשמא אחד מלאת קודם הכאת קרבנותיו לרבנן או קודם גילוח לר"א
הא וראי אזלי בתר ידיעה: מוטל ברחבה של דרך. וממלא את כל הדרך ור"א

י' אם עד וכו'. ב) נראה דג"ל ולכן מפרש ליה אליבא דר"א.

ו נראה ד"ל ועל הא דתנן במת

12	17	1924	1925	1926	1927	1928	1929	1930	1931	1932	1933	1934	1935	1936	1937	1938	1939	1940	1941	1942	1943	1944	1945	1946	1947	1948	1949	1950	1951	1952	1953	1954	1955	1956	1957	1958	1959	1960	1961	1962	1963	1964	1965	1966	1967	1968	1969	1970	1971	1972	1973	1974	1975	1976	1977	1978	1979	1980	1981	1982	1983	1984	1985	1986	1987	1988	1989	1990	1991	1992	1993	1994	1995	1996	1997	1998	1999	2000	2001	2002	2003	2004	2005	2006	2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026	2027	2028	2029	2030	2031	2032	2033	2034	2035	2036	2037	2038	2039	2040	2041	2042	2043	2044	2045	2046	2047	2048	2049	2050	2051	2052	2053	2054	2055	2056	2057	2058	2059	2060	2061	2062	2063	2064	2065	2066	2067	2068	2069	2070	2071	2072	2073	2074	2075	2076	2077	2078	2079	2080	2081	2082	2083	2084	2085	2086	2087	2088	2089	2090	2091	2092	2093	2094	2095	2096	2097	2098	2099	2100	2101	2102	2103	2104	2105	2106	2107	2108	2109	2110	2111	2112	2113	2114	2115	2116	2117	2118	2119	2120	2121	2122	2123	2124	2125	2126	2127	2128	2129	2130	2131	2132	2133	2134	2135	2136	2137	2138	2139	2140	2141	2142	2143	2144	2145	2146	2147	2148	2149	2150	2151	2152	2153	2154	2155	2156	2157	2158	2159	2160	2161	2162	2163	2164	2165	2166	2167	2168	2169	2170	2171	2172	2173	2174	2175	2176	2177	2178	2179	2180	2181	2182	2183	2184	2185	2186	2187	2188	2189	2190	2191	2192	2193	2194	2195	2196	2197	2198	2199	2200	2201	2202	2203	2204	2205	2206	2207	2208	2209	2210	2211	2212	2213	2214	2215	2216	2217	2218	2219	2220	2221	2222	2223	2224	2225	2226	2227	2228	2229	2230	2231	2232	2233	2234	2235	2236	2237	2238	2239	2240	2241	2242	2243	2244	2245	2246	2247	2248	2249	2250	2251	2252	2253	2254	2255	2256	2257	2258	2259	2260	2261	2262	2263	2264	2265	2266	2267	2268	2269	2270	2271	2272	2273	2274	2275	2276	2277	2278	2279	2280	2281	2282	2283	2284	2285	2286	2287	2288	2289	2290	2291	2292	2293	2294	2295	2296	2297	2298	2299	2300	2301	2302	2303	2304	2305	2306	2307	2308	2309	2310	2311	2312	2313	2314	2315	2316	2317	2318	2319	2320	2321	2322	2323	2324	2325	2326	2327	2328	2329	2330	2331	2332	2333	2334	2335	2336	2337	2338	2339	2340	2341	2342	2343	2344	2345	2346	2347	2348	2349	2350	2351	2352	2353	2354	2355	2356	2357	2358	2359	2360	2361	2362	2363	2364	2365	2366	2367	2368	2369	2370	2371	2372	2373	2374	2375	237
----	----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----